Patrika (Indore), 4th November 2023, Page – 08

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर आइआइटी इंदौर में कार्यशाला

भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच बढ़ रहा सहयोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से 'भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतराष्ट्रीयकरण-संरचनाएं व सेवाएं' पर आइएचईडी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और जर्मन कान्सुलेट, मुंबई की डिप्टी कान्सुल जनरल मार्जा-सिर्खा इनिग ने किया।

कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों व जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग की बेहतरीन कार्यप्रणालियों व अवसरों पर विचार-विमर्श करना था। पिछले दिनों हुई कार्यशाला शिक्षा संस्थानों के अंतराष्ट्रीयकरण के लिए जर्मन व भारतीय रणनीतियों तथा क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक नेटवर्क को कुशल तरीके से बढ़ावा देने में अंतराष्ट्रीय संबंध कार्यालयों की भूमिका पर केंद्रित थी। इस दौरान जर्मनी में उपलब्ध कई वित्तपोषण और अनुसंधान अवसरों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला में भारत के 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के डीन और अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों के प्रमुखों ने भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन डीएएडी क्षेत्रीय कार्यालय की निदेशक डॉ. काटजा लैश, डीएएडी कार्यालय, नई दिल्ली की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. शिखा सिन्हा व आइआइटी इंदौर के अंतरराष्ट्रीय संबंध के डीन प्रो. अविनाश सोनावणे ने किया। इस दौरान एचटीडब्ल्यू ड्रेसडेन विवि से जर्मन विशेषज्ञ जूलियन टेरपे और लीपजगि विवि से कैथरीना पिंगेल उपस्थित रहीं।